सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 165 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं।

-डॉ. अब्दुल कलाम

रोहित-जडेजा की शतकीय पारी, भारत पड़ा... 7

किसान आंदोलन-चुनावी बॉन्ड चुनाव... 3

भाजपाई चंदों का हो खुलासा... 2

तानाशाही के सामने नहीं झुकेंगे : राहुल गांधी

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जुट रही भीड़

» कांग्रेस धन की ताकत का नहीं, जन की ताकत का नाम है : कांग्रेस सांसद

» आज यूपी में प्रवेश करेगी यात्रा

» किसानों को एमएसपी की गारंटी देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी न्याय यात्रा के दौरान जुट रही अपार भीड़ से गदगद हैं। कांग्रेस नेता आजकल झारखंड में दौरे कर रह हैं। आज शाम उनकी यात्रा यूपी में प्रवेश करेगी। इससे पहले बिहार के रोहतास में वह राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उधर उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी के आगे कभी भी वह झुकेंगे नहीं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने कहा डरो मत मोदी जी, कांग्रेस धन की ताकत का नहीं, जन की ताकत का नाम है। हम तानाशाही के सामने न कभी झुके हैं, न झुकेंगे। भारत के लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर कांग्रेस कार्यकर्ता जी जान से लड़ेगा। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया की सरकार बनी तो एमएसपी गारंटी दी जाएगी। दिल्ली में किसानों दे रहे हैं। मोदी सरकार में किसानों समेत सभी तबके के लोग परेशान हैं लेकिन वह

किसी के सुनने वाले नहीं हैं। क्योंकि, इसलिए वह अपने मन की सुनाते हैं। आम जनता की मन की बात को नहीं सुनते।

महिलाओं पर अत्याचार निंदनीय : जयराम

वहीं न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि आज भारत जोड़ो न्याय यात्रा का 34वां दिन है। उन्होंने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार निंदनीय है, इसकी जांच होनी चाहिए। राज्य सरकारों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि वे कानून के प्रति जिम्मेदार हैं। इस मुद्दे का राजनीतिकरण ठीक नहीं है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी आज रोहतास में किसान नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। दोपहर करीब 2:30 बजे तेजस्वी यादव और राहुल गांधी कैमूर में एक सभा को संबोधित करेंगे और शाम करीब 5 बजे यात्रा उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी।

तेजस्वी यादव ने न्याय यात्रा में संभाली स्टीयरिंग

कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा रोहतास (सासाराम) पहुंच चुकी है। औरंगाबाद की जनसभा में इंडी गठबंधन के सहयोगी राजद और वामदल के बड़े नेता नहीं शामिल हुए थे। आज राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बेटे और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव रोहतास पहुंचीं। तेजस्वी यादव न सिर्फ राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए बल्कि उनके सारथी भी बने। इंडी गठबंधन के हजारों कार्यकर्ता और समर्थकों साथ तेजस्वी यादव लाल रंग की चार पहिया राहुल गांधी के साथ नजर आए। गाड़ी के पीछे की सीट पर कांग्रेस की वरीय नेता मीरा कुमार भी नजर आईं। राहुल गांधी के न्याय यात्रा के दौरान रोहतास के टेकारी में किसान चौपाल में काफी संख्या में लोग जुटे। किसानों को राहुल गांधी तथा तेजस्वी यादव ने संबोधित किया। इस दौरान बिहार में नौकरी देने की भी बात तेजस्वी यादव ने कही। 17 माह के सरकार में नौकरी भी दिया। हैं।

बहुदलीय प्रणाली को बचाए कोर्ट : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को न्यायपालिका से भारत के लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश में बहुदलीय प्रणाली को बचाने की अपील की। आयकर विभाग द्वारा सबसे पुरानी पार्टी के बैंक खातों को कथित तौर पर फ्रीज करने के बाद कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। खड़गे ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर, मोदी सरकार ने लोक सभा चुनाव के ठीक पहले देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खाते फ्रीज कर दिए है। ये लोकतंत्र पर गहरा आघात है। भाजपा ने जो असंवैधानिक धन इकट्ठा किया है, उसका इस्तेमाल वे चुनाव में करेंगे, लेकिन हमने क्राउडफंडिंग के जरिए जो पैसा इकट्ठा किया है, उसे सील कर दिया जाएगा। इसीलिए हमने कहा है कि भविष्य में कोई चुनाव नहीं होंगे !

किसानों के भारत बंद ऐलान से सरकार हलकान

» पुलिस ने की रोकने की कोशिश, दो की मौत

» पंजाब में बाजार बंद, दिल्ली में रेंग रहे वाहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चौथे दिन अन्नदाताओं ने गूंगी-बहरी बीजेपी सरकार को जगाने के लिए पूरे भारत बंद का एलान कर दिया। इसकी वजह से पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में आम जन परेशान हो गया। चारों ओर ट्रैफिक प्रभावित हो गया और जाम जैसी स्थिती बन गई है। वहीं एक किसान व एक जीआरपी एसआई के मौत होने की खबर है। वह आंदोलन में भाग ले रहा था। इससे पहले किसानों और सरकार के बीच तीसरे दौर की बैठक बेनतीजा रही।

पंजाब के सीएम भगवंत मान की मौजूदगी में किसान संगठनों और सरकार के

बीच तीसरे दौर की बैठक भी बेनतीजा रही। बीती रात 1.30 बजे तक चली इस बैठक में केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय शामिल रहे। बैठक में सकारात्मक चर्चा तो हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकल सका। नंगल में ग्रामीण भारत बंद के कारण नैशनल हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इसके चलते शहर के अंदर से डायवर्ट किया गए ट्रैफिक ने भी जाम लगा दिया। संयुक्त किसान मोर्चा और अन्य ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आज ग्रामीण भारत बंद किया गया है। पंजाब में भी इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है। अमृतसर में अरैय्या, जालंधर में (पीएपी-फिल्लौर), पठानकोट में एनएच-44 (दिल्ली-जम्मू), एनएच-54 (पठानकोट-अमृतसर), एनएच-154 (पठानकोट-डल्हौजी, चंबा) और गुरदासपुर बब्बरी बाईपास पर किसानों ने धरना देकर यातायात बाधित कर दिया है।

भारत बंद को सफल बनाने में जुटे किसान संगठन

किसान संगठन भारत बंद को सफल बनाने में जुटे हैं, लेकिन बंद का असर केवल ग्रामीण क्षेत्र में नजर आ रहा है। शहर में इसका कोई असर नहीं है। किसान संगठनों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी समेत कई मांगों को लेकर शुक्रवार को भारत बंद का आवाहन किया है। बिलासपुर में बंद को सफल बनाने के लिए भाकियू टिकैत के कार्यकर्ता सुबह बाजार में पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने बाजार में खुली दुकानों को बंद कराना शुरू कर दिया है।

पंजाब से हरियाणा आने वाली खाद्य आपूर्ति बंद, दामों में उछाल

पंजाब से आ रहे किसानों के दिल्ली कूच को लेकर अब आमजन की खाने-पीने की चीजों की सप्लाई पर भी असर पड़ना शुरू हो गया है। पंजाब से आने वाला आलू, मटर, किन्नू और आजादपुर सब्जी मंडी से आने वाली कुछ सब्जियां भी रोहतक मंडी में नहीं पहुंच रही हैं। गुजरात से आने वाले टमाटर के लिए ट्रांसपोर्ट वाले गुजरात जाने से मना कर रहे हैं। इसके चलते सब्जी मंडी में टमाटर का सिर्फ शुक्रवार का ही स्टॉक बचा हुआ है।

दौरा पड़ने से किसान व दम घुटने से एसआई की मौत

वहीं पंजाब और हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन के बीच एक बुजुर्ग किसान की जान चली गई(दिल का दौरा पड़ने के बाद शुक्रवार (16 फरवरी, 2024) तड़के उन्होंने दम तोड़ दिया था। मृतक अन्नदाता की पहचान 78 साल के ज्ञान सिंह के रूप में हुई है। वहीं अंबाला में एक जीआरपी में तैनात के एसआई हीरालाल की मौत हो गई। इसकी वजह आंसू गैस के गोले से दम घुटना बताई जा रही है। वह पंजाब में गुरदासपुर के रहने वाले थे। ऐसा बताया गया कि प्रदर्शन के दौरान रात को उन्हें ठंड लग गई थी जिसके बाद उनकी मौत हो गई। ज्ञान सिंह को सुबह 4 बजे स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उन्हें पटियाला के गवर्नमेंट राजिंद्र अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया था। यहां उनका इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा था। डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने की पूरी कोशिश की

भाजपाई चंदों का हो खुलासा : अखिलेश

» बोले- पीएम केयर फंड की जानकारी भी लें

» भाजपा बस पूंजीपतियों के हितों का संरक्षण कर रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बांड स्कीम को असंवैधानिक करार दिए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि जनता कह रही है कि लगे हाथ भाजपाइयों द्वारा लाए गए तथाकथित 'पीएम केयर फंड' और तरह-तरह के भाजपाई चंदों पर भी खुलासा होना चाहिए। जब करदाताओं, दुकानदारों, कारोबारियों से पिछले दसों सालों का हिसाब मांगा जाता है तो भाजपा से क्यों नहीं मांगा जाए। अखिलेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखे पोस्ट में कहा है कि इलेक्टोरल बांड की अवैधानिकता और तत्काल खात्मे का सुप्रीम कोर्ट का फैसला लोकतंत्र के पुनर्जीवन के लिए स्वागत योग्य निर्णय है।

ये भाजपा की नाजायज नीतियों का भंडाफोड़ है। ये फैसला भाजपा-भ्रष्टाचार के बांड का भी खुलासा है। अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार सत्ता और तकनीक का नकारात्मक इस्तेमाल कर रही है। भाजपा सरकार अन्नदाताओं पर अत्याचार कर रही है। किसानों की मांगों को मानने के बजाय उन पर आंसू गैस के गोले दागकर लाठियां बरसायी जा रही हैं। पूरा देश देख रहा है भाजपा सरकार किसानों के साथ किस तरह का व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के झूठे वादों से किसानों के सब्र का बांध टूट चुका है। किसानों को अब भाजपा सरकार के झूठे वादे नहीं चाहिए। मांगे पूरी होनी चाहिए। किसानों को लेकर भाजपा की कथनी और करनी में हमेशा से अंतर रहा है। भाजपा किसान के हितों के बजाय पूंजीपतियों के हितों का संरक्षण कर रही है। किसान को बिचौलियों का बंधक बनाकर रखना चाहती है। समाजवादी पार्टी किसानों की मांगों के समर्थन में है। देश का किसान भाजपा को भली भांति समझ चुका है। किसान अब एकजुट होकर भाजपा को सबक सिखाएगा।

नफरत के खिलाफ यात्रा निकाल रहे राहुल

कांग्रेस के साथ गठबंधन धर्म निभाए सपा : शहाबुद्दीन

लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर इंडिया गठबंधन में धोखा न करने की नसीहत दी है। साथ ही कांग्रेस को उसकी वरीयता वाली सीटें देने की अपील की है। यह भी कहा है कि सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन धर्म नहीं निभाया तो माना जाएगा कि वह किसी न किसी रूप में भाजपा को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। बरेलवी ने अखिलेश यादव को भेजे पत्र में कहा कि आप पीडीए अभियान चला रहे हैं। वर्ष 2022 के चुनाव में मुसलमानों ने 98 प्रतिशत वोट देकर ज्यादा से ज्यादा सीटें जिताने का कार्य किया। मुसलमानों के इतने समर्थन के बाद भी राज्यसभा की सीट के लिए एक भी मुसलमान नहीं उतारा गया। इससे समाज के लोगों को तकलीफ हुई है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस अच्छी स्थिति में थी, लेकिन सपा ने उम्मीदवार उतार कर गठबंधन धर्म नहीं निभाया। बरेलवी ने कांग्रेस की तारीफ करते हुए लिखा है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पूरे देश में नफरत के खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं। वह संविधान बचाने, अमन पसंद लोगों को एकजुट करने में जुटे हैं। ऐसे में सपा को साथ देना चाहिए। भाजपा को रोकने के लिए सपा और कांग्रेस को एक मंच पर आना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में फिरकापरस्त ताकतों को मजबूत करने की गलती न करें। मुसलमानों के जज्बात एवं अहसास को ठेस न पहुंचाएं।

सारी कीलें दिल्ली बॉर्डर पर ही हो गईं खत्म या फिर कुछ चीन सीमा के लिए भी हैं : नेहा

» किसानों के प्रदर्शन के बीच भोजपुरी सिंगर का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसानों के दिल्ली मार्च का आज चौथा दिन है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा अन्य मांगों को लेकर दिल्ली आ रहे किसानों को पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर रोककर रखा गया है। इस बीच किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच टकराव भी देखने को मिला, जिस पर भोजपुरी सिंगर नेहा सिंह राठौर ने कहा, सारी कीलें दिल्ली बॉर्डर पर ही खत्म कर दी हैं या कुछ कीलें चाइना बॉर्डर के लिए भी बचा रखी हैं? इससे पहले उन्होंने कहा था कि सरकार के पास हमारे हर सवाल का जवाब सिर्फ लाठी है। जब भी सरकार के कुछ कहा जाता है तो वो सिर्फ लाठियां बरसाती है। राठौर ने कहा, सरकारी कर्मचारी खुद अपनी पेंशन के लिए लड़ रहे हैं लेकिन हरियाणा-पंजाब के किसानों को खालिस्तानी बता रहे हैं। बेरोजगार एड़ियां घिस रहे हैं, पकौड़ा तलने की नौबत आ गई है, लेकिन ये भी किसानों को कांग्रेस का एजेंट बता रहे हैं, इन बेरोजगारों के बापों को बुढ़ापे की चिंता तो खाए जा रही है, लेकिन ये भी ज्ञान ठेल रहे हैं कि किसानों की मांगे मान लीं तो देश बर्बाद हो जाएगा।

सभी को एकजुट होना होगा: पवार

» बोले- पार्टी मुश्किल दौर में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि उनकी पार्टी आज कठिन दौर से गुजर रही है, यह पार्टी आम लोगों की पार्टी है। लेकिन किसी को भी उन चुनौतियों के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए, जिनका वह सामना कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि एकजुट रहने और राज्य की छवि सुधारने की दिशा में काम करने की जरूरत है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा प्रतिद्वंद्वी एनसीपी गुट की अयोग्यता पर अपना फैसला सुनाए जाने के कुछ घंटों पहले शरद पवार ने मुंबई में महिला सम्मेलन को संबोधित किया।

समारोह के दौरान, शरद पवार ने कहा कि एनसीपी के गठन का फैसला 25 साल पहले इसी हॉल में किया गया था और राज्य भर में लाखों पार्टी कार्यकर्ता इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए आगे आए थे। उन्होंने कहा कि एनसीपी आम लोगों की पार्टी है। लेकिन आप सभी को इस बात की चिन्ता नहीं होनी चाहिए, हम एकजुट रहेंगे। ऐसे निर्णय लेंगे। हम राज्य की छवि सुधारने की दिशा में काम करेंगे। एनसीपी के गठन के तीन महीने के भीतर राज्य के लोगों ने पार्टी को राज्य पर शासन करने की जिम्मेदारी सौंपी। एनसीपी को पिछले साल जुलाई में विभाजन का सामना करना पड़ा, जब अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल हो गए। हाल ही में, भारत के चुनाव आयोग (ईसी) ने अजीत पवार गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता दी और उसे पार्टी का प्रतीक घड़ी आवंटित किया।

रास चुनाव में कड़े टक्कर की संभावना

» सपा-भाजपा में सियासी रस्साकसी

» 10 सीटों पर होने हैं चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव में वोटिंग की परिस्थिति लाने का भाजपा का दांव सियासी नजरिए से बहुत अहम हो गया है। यह चुनाव भाजपा संगठन और सरकार के कौशल की परीक्षा तो है ही। साथ ही सपा के प्रबंधन का इम्तिहान भी है। कारण, इस राज्यसभा चुनाव के नतीजों से संभावित सियासी गठबंधनों की तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगी। प्रदेश में राज्यसभा के 10 सीटों के चुनाव में अभी बसपा की स्थिति तय नहीं है। कांग्रेस को सपा व रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के जनसत्ता दल लोकतांत्रिक को भाजपा के साथ माना जा रहा है।

अन्य दलों की सदस्य संख्या व सहयोगी दलों को जोड़ते हुए प्रारंभिक तस्वीर बताती है कि भाजपा को आठवां प्रत्याशी जिताने के लिए नौ अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। समाजवादी पार्टी को तीसरा प्रत्याशी जिताने के लिए तीन अतिरिक्त वोट चाहिए। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग पर दल-बदल की कार्रवाई नहीं होती। इसका खुलासा होने पर पार्टी अपने स्तर पर निष्कासन या निलंबन जैसी कार्रवाई जरूर कर सकती है।

अपने विधायकों को सहेजने में जुटी रालोद

राज्यसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को भाजपा के आठवें प्रत्याशी के रूप में संजय सेठ के नामांकन के बाद चुनाव में मतदान तय माना जा रहा है। इसे देखते हुए सभी पार्टियां अपने-अपने वोट सहेजने में जुट गई हैं। इसी क्रम में कुछ विधायकों की नाराजगी की चर्चा के बीच बृहस्पतिवार को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद जयंत चौधरी ने पार्टी के सभी विधायकों को दिल्ली तलब किया। जयंत चौधरी ने पार्टी विधायकों से भाजपा के साथ प्रस्तावित गठबंधन को लेकर चल रही कुछ विधायकों की नाराजगी के बारे में बात की। इस पर सभी विधायकों ने एक साथ होने और नाराजगी की बात को खारिज किया। इसके बाद जयंत चौधरी ने विधायकों से एकजुटता के साथ आगामी राज्यसभा चुनाव में मतदान और लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए जुटने को कहा।

बसपा का एक वोट हो सकता है निर्णायक

राज्यसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी किस दल के प्रत्याशी को समर्थन देगी, इसे लेकर असमंजस बना हुआ है। बता दें कि वर्तमान में बसपा का केवल एक विधायक है, लेकिन राज्यसभा चुनाव में 11 प्रत्याशी उतरने के बाद बसपा विधायक का वोट भी निर्णायक साबित हो सकता है। ध्यान रहे कि वर्ष 2020 में विधान परिषद चुनाव में बसपा ने भाजपा को समर्थन देने का निर्णय लिया था। बसपा सुप्रीमो ने सपा पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा था कि सपा को हराने के लिए अगर भाजपा को वोट देना पड़े तो वह तैयार हैं। दरअसल बसपा सुप्रीमो ने सपा द्वारा सात विधायकों को तोड़ने से नाराज होकर विधान परिषद चुनाव में सपा को हराने का फैसला लिया था। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने कहा कि किस दल को समर्थन देना है, यह तय नहीं है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

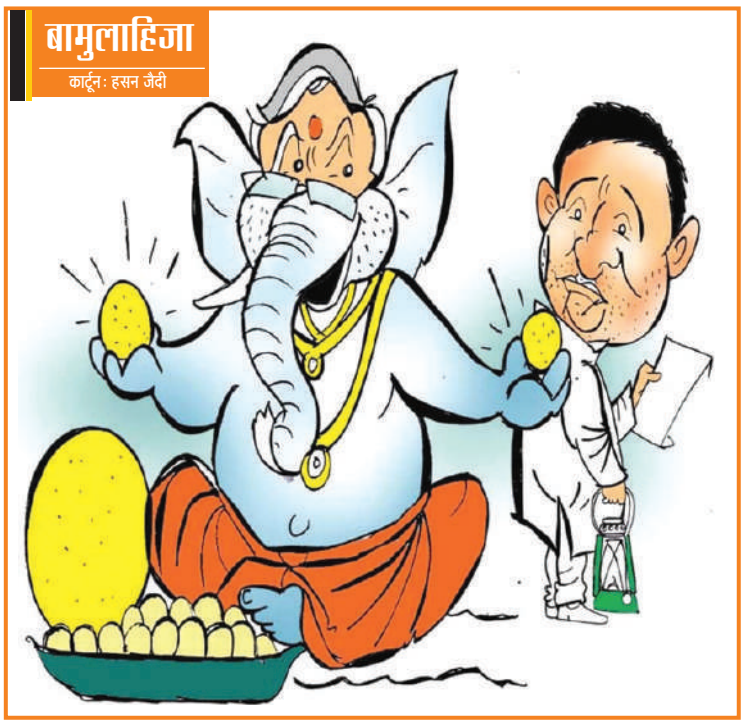

रातोंरात तो विचारधारा नहीं बदल सकता : अशोक चव्हाण

» भाजपा को भी समझना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस से दो पीढ़ियों का रिश्ता तोड़कर भाजपा में आए अशोक चव्हाण ने खुलकर कहा है कि उनकी विचारधारा रातोंरात नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि रातोंरात अपनी विचारधारा को बदल लेना संभव नहीं है। मैं भाजपा की विचारधारा को समझूंगा। इसके अलावा यह भी ध्यान देने की बात है कि मैं हर चीज से सहमत ही रहूं, यह जरूरी नहीं है।

मुझे उन चीजों के बारे में समझने के लिए समय चाहिए। इसके अलावा हमें यह भी देखना होगा कि वक्त की जरूरत क्या है। सेकुलरिज्म से ज्यादा अहम यह है कि हम एक देश के तौर पर भविष्य के लिए कैसे तैयार हैं। उन्होंने विचारधारा के सवाल को पीएम नरेंद्र मोदी से जोड़ते हुए कहा कि वह जो कर रहे हैं, वह पूरी दुनिया को ही दिख रहा है। आप देश का मूड देखिए। जनादेश उनके साथ है क्योंकि वह सही चीजें कर रहे हैं। यही नहीं उन्होंने कांग्रेस छोड़ने के फैसले पर भी कहा कि यहल अचानक नहीं हुआ है। मैं बीते काफी दिनों से देख रहा था कि कैसे चीजों को रोका जा रहा है।

किसान आंदोलन–चुनावी बॉन्ड चुनाव में बनेंगे मुद्दे

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सियासी पारा गरमाया

नेताओं का आरोप- इस बॉन्ड के सहारे हो सकता है घोटाला

» विपक्ष के निशाने पर आई बीजेपी व मोदी सरकार

» लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में भी भगदड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसान आंदोलन से विपक्ष के निशाने पर आई बीजेपी की मुसीबत अभी कम होने वाली नहीं है। अभी यह मामला सुलझा भी नहीं था कि चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फिर एकबार मोदी सरकार संदेह के घेरे में आ गई। ज्ञात हो चुनावी बांड को शीर्ष अदालत ने असंवैधानिक बता दिया है। साथ ही कहा है ये एक ऐसी योजना है जिसकी वजह से काले धन को सफेद करने में लोगों को मदद मिलती। वहीं वरिष्ठ नेताओं ने भी बीजेपी व पीएम मोदी पर निशाना साधा है। कपिल सिब्बल ने तो इसे सरकार का घोटाला तक बता दिया है। हालांकि बीजेपी ने इसे राजनीतिक संरक्षण का हवाला देने की कोशिश बताकर अपने कारनामें को छुपाने की जुगत की है। खैर अब इस फैसले के बाद यह तो माना जा सकता है कि इसे लोक सभा चुनाव के दौरान मुद्दा बनाकर सरकार व बीजेपी की पोल जनता के बीच खोली जाएगी और इसी को लेकर वोटों की राजनीति भी हो सकती है।

उधर उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार टीटू को सैफई में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समक्ष समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इसकी भनक जब बसपा नेताओं को हुई तो उन्होंने मुकेश कुमार टीटू को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया है। जिलाध्यक्ष की कमान ब्रजेश कुमार वरुण को सौंपी है। बसपा ने जिले की सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों की भी घोषणा कर दी है। लोकसभा चुनाव करीब आते देख राजनीतिक हलचल काफी तेज हो गई है। प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा द्वारा सपा, बसपा नेताओं को पार्टी में शामिल किए जाने का अभियान चलाया जा रहा है। सपा भी विरोधी खेमे पर नजर रखकर पार्टी के कुनबे को बढ़ाने में जुटी है। बुधवार को बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार टीटू ने सपा में शामिल हो गए। सपा के पार्टी में अनुशासनहीनता का काम करने की शिकायतें मिल रही थीं। निर्देश के बाद सुधार नहीं करने के कारण पार्टी ने फैसला लिया है। इधर बसपा ने जिलाध्यक्ष की कमान एक बार फिर ब्रजेश कुमार वरुण को सौंपी है। पार्टी ने बबलू सिंह उर्फ गोल्डी राठौर एडवोकेट एवं चौधरी सालिग सिंह को जिला प्रभारी बनाया है। बसपा ने सभी पांच विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों की घोषणा कर दी है। वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य ने बताया कि सपा नेता रामगोविंद चौधरी का भी उनके पास फोन आया है। उन्होंने मिलकर बात करने के लिए कहा है। यह भी बताया कि सपा की राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची पीडीए के मानकों पर खरा नहीं उतरती है, लेकिन सपा अध्यक्ष ने जो फैसला लिया, वह उचित है। तीन प्रत्याशी अनुभवी हैं। इस पर उन्हें कोई टिप्पणी नहीं करनी। यह भी बताया कि अपना दल कमेरावादी की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल का भी बुधवार को उनके पास फोन आया। उन्होंने जल्द ही मुलाकात करने की बात कही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायक पल्लवी पटेल के पार्टी प्रत्याशियों को वोट न देने के एलान पर मैनपुरी में मीडिया से कहा कि पीडीए के फॉर्मूला पर ही लोग सदन में भेजे जा रहे हैं। पीडीए के अधिकारियों के लिए यह लंबी लड़ाई है। अभी विधानसभा परिषद और उसके बाद राज्यसभा की और सीटों पर भी चुनाव होने हैं।

मतदाताओं के साथ छल हो रहा है : कांग्रेस

कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर देते कहा कि 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट' (वीवीपैट) पर्चियों के 100 फीसदी मिलान की अनुमति नहीं देना मतदाताओं के साथ अन्याय है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) के घटक दलों की यह मांग रही है कि वीवीपैट पर्चियों के मिलान को बढ़ाकर सौ फीसदी किया जाए। रमेश ने कहा कि आठ अप्रैल, 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से वीवीपैट पर्ची मिलान वाले चुनाव बूथों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया था। उन्होंने अदालती मामले का

उल्लेख करते हुए कहा, मामला 'एन चंद्रबाबू नायडू बनाम भारत संघ' है। हां, वही चंद्रबाबू नायडू जो कभी हाई-टेक मुख्यमंत्री के रूप में जाने जाते थे। नायडू तब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर 'इंडिया' घटक दलों के साथ बातचीत करने में निर्वाचन आयोग की अनिच्छा और भी अधिक सवाल उठाती है। रमेश ने सवाल किया कि क्या निर्वाचन आयोग को इस तकनीक में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के लिए प्रयास नहीं करना चाहिए। कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार पर कुछ चुनिंदा बड़े कॉर्पोरेट समूहों को कर लाभ देने और देश के आम लोगों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि व्यक्तिगत आय पर लगने वाले कर से प्राप्त धन कॉर्पोरेट कर से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने दोस्तों के लिए कॉर्पोरेट कर में कटौती करने का परिणाम है, जबकि गरीब लोग मूल्य वृद्धि और अत्यधिक करों से जूझ रहे हैं।

भाजपा कभी न्याय नहीं कर सकती : सपा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार कभी किसानों के साथ न्याय नहीं कर सकती। भाजपा की नीतियां हमेशा किसान विरोधी और पूंजीपरस्त रही है। अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जा रहे किसानों के साथ भाजपा सरकार ने जिस तरह का बर्बर व्यवहार किया है, इसकी दूसरी मिसाल नहीं मिलती है। सरकार किसानों की आवाज दबाने के लिए हर तरह का हथकंडा अपना रही है। अखिलेश यादव ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सरकार ने किसानों के साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया है। रास्ते में कील लगा दी, दीवार खड़ी कर दी, उन्हें लाठियों से मारा गया। आंसू गैस के गोले छोड़े गए। कहा, भाजपा ने किसानों, जवानों, नौजवानों सभी को धोखा दिया है। इससे पहले भी किसानों ने तीन काले कानूनों के खिलाफ आंदोलन किया था, जिसमें 800 से ज्यादा किसानों जान दे दी थी। किसान अपनी पुरानी मांग को लेकर फिर आंदोलित है। वे एमएसपी का कानूनी अधिकार चाहते है लेकिन भाजपा सरकार किसानों की मांगों को मानने के बजाय उनके साथ अमानवीय व्यवहार कर रही है।

वरुण गांधी पर असमंजस

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी को इंडिया गठबंधन भी लड़ाने के लिए तैयार है। लेकिन, वे किस दल से लड़ेंगे, यह असमंजस अभी बरकरार है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद इन चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है कि भाजपा ने उनके लिए दरवाजे बंद नहीं किए हैं। अलबत्ता, भाजपा में एक परिवार-एक टिकट का फॉर्मूला लागू होने पर उनके सामने टिकट को लेकर मुश्किलें आ सकती हैं। पीलीभीत मेनका गांधी परिवार का गढ़ माना जाता है। मेनका गांधी 1989 में जनता दल के टिकट पर यहां से पहली बार सांसद बनीं। मेनका यहां से अब तक छह बार सांसद रह चुकी हैं। इस दौरान दो बार निर्दलीय भी जीतीं। 2009 और 2019 में यह सीट उन्होंने अपने बेटे वरुण गांधी को छोड़ी। वर्तमान में वरुण गांधी पीलीभीत से सांसद हैं। वरुण गांधी कई बार अपनी ही सरकार की नीतियों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठा चुके हैं। ऐसे में भाजपा से उन्हें टिकट न मिलने के कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा से टिकट कटने संबंधी चर्चाओं के दायरे में मेनका गांधी भी लगातार बनी हुई हैं। इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, वरुण गांधी को उनका गठबंधन भी लड़ाने के लिए तैयार है। यह भी हो सकता है कि

वरुण गांधी के खिलाफ इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी ही न उतारा जाए। या फिर किसी घटक दल से वे उम्मीदवार बन जाएं। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बात भी कर चुकी हैं। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वरुण गांधी की मुलाकात के बाद उन्हें भाजपा से टिकट मिलने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताते हैं कि वरुण गांधी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि भाजपा के किसी भी नेता के खिलाफ उन्होंने कभी कुछ नहीं बोला। हां, कुछ मुद्दों पर आवाज जरूर उठाई है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के अंदरूनी सर्वे के नतीजे भी वरुण और मेनका के लिए नकारात्मक नहीं बताए जा रहे हैं। यही वजह है कि शीघ्र ही वरुण की मुलाकात दिल्ली में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से होने जा रही है। इन वरिष्ठ नेता को यूपी में अहम जिम्मेदारी मिली हुई है। राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि वरुण की पहली पसंद भाजपा के टिकट पर ही चुनाव लड़ने की है। हाल ही में वरुण गांधी पीएम के एक्स पर कई पोस्ट को अपने अकाउंट से रिपोस्ट भी कर चुके हैं। इससे भी उनकी मंशा को समझा जा सकता है। पूरे देश में मां-बेटे के एक साथ भाजपा से लोकसभा सांसद होने का उदाहरण मेनका और वरुण ही हैं। एक कयास यह भी है कि एक परिवार-एक टिकट के फॉर्मूले को भाजपा ने सख्ती से लागू किया गया तो वरुण का पत्ता कट सकता है। बताते हैं कि उस स्थिति में वरुण को इंडिया से भी लड़ने में कोई गुरेज न होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सुप्रीम कोर्ट का जनता के हित वाला फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर एक उम्दा फैसला दिया है। इस फैसले से काले धन को सफेद धन बनाने के खेल पर भी रोक लगेगी। हालांकि इस फैसले से सियासी दलों को नुकसान होगा। लेकिन इससे आम जन को लाभ होगा इस फैसले के बाद लोगों को यह जानकारी भी पता चल पाएगी राजननीतिक दलों को पैसा कौन दे रही है। दरअसल अमूमन सियासी पार्टियों को चंदा दिया जाता है, चंदा देने वाला व्यक्ति सरकारों से लाभ लेनेकी कोशिश करता है। जिससे कभी-कभी गलत परिपाटी भी पड़ जाती है। ऐसे में यह फैसला मील का पत्थर साबित हो सकता है। राजनीतिक भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगने का रास्ता खुल गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया।

दरअसल अमूमन सियासी पार्टियों को चंदा दिया जाता है, चंदा देने वाला व्यक्ति सरकारों से लाभ लेनेकी कोशिश करता है। जिससे कभी-कभी गलत परिपाटी भी पड़ जाती है। ऐसे में यह फैसला मील का पत्थर साबित हो सकता है। राजनीतिक भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगने का रास्ता खुल गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा, काले धन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सूचना के अधिकार का उल्लंघन उचित नहीं है। चुनावी बांड योजना सूचना के अधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन है। राजनीतिक दलों के द्वारा फंडिंग की जानकारी उजागर न करना उद्देश्य के विपरीत है। कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड तुरंत रोकने के आदेश दिये हैं। अदालत ने निर्देश जारी कर कहा, एसबीआईचुनावी बांड के माध्यम से अब तक किए गए योगदान के सभी विवरण 31 मार्च तक चुनाव आयोग को दे। साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह 13 अप्रैल तक अपनी वेबसाइट पर जानकारी साझा करे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवी चंद्रचूड़ ने कहा कि इस मामले में सुनवाई कर रहे सभी जजों ने सर्वसम्मति से अपना फैसला सुनाया है। केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का कहना है कि दो अलग-अलग फैसले हैं - एक उनके द्वारा लिखा गया और दूसरा न्यायमूर्ति संजीव खन्ना द्वारा और दोनों फैसले सर्वसम्मत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, चुनावी बॉन्ड योजना, अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन है। कोर्ट ने इसे असंवैधानिक माना है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए इसे रद्द करना होगा। भारत सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की घोषणा 2017 में की थी। इस योजना को सरकार ने 29 जनवरी 2018 को कानूनन लागू कर दिया था। आसान भाषा में इसे अगर हम समझें तो इलेक्टोरल बॉन्ड राजनीतिक दलों को चंदा देने का एक वित्तीय जरिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय को गरिमामय विस्तार

लोकमित्र गौतम

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में बोचासनवासी श्रीअक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वसंत पंचमी को किया। इससे पहले 22 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या के 'प्राण-प्रतिष्ठा' के भव्य कार्यक्रम में शामिल हुए थे। निस्संदेह, भारत विश्व परिदृश्य में बड़ी तेजी से एक सांस्कृतिक महाशक्ति बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी पिछले नौ सालों में अगर सातवीं बार संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर रहे तो इसके वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में खास मायने हैं। साथ ही हम दुनिया की एक स्वीकार्य सांस्कृतिक महाशक्ति भी बन रहे हैं। अबू धाबी में अबू मुरीखा में बना यह भव्य बीएपीएस मंदिर, भारत की उस ताकत को दर्शा रहा है, जो डॉलरों से परे है। दूसरे धर्मों के प्रति कट्टरता से अलगाव और उदासीनता का भाव रखने वाले संयुक्त अरब अमीरात में यह न सिर्फ पहला गैर-इस्लामिक पूजास्थल है बल्कि करीब 16 एकड़ में बने इस मंदिर की जमीन खुद यूएई सरकार ने उपलब्ध कराई है।

वह भी भारत के साथ बेहतर आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों को प्रदर्शित करने के लिए बिलकुल मुफ्त। यह अकारण नहीं है कि आज भारत के बाद संख्या में सबसे ज्यादा हिंदू मंदिर अमेरिका में हैं। दुनियाभर में करीब 20 लाख हिंदू मंदिर हैं, जिनमें से करीब 6.5 लाख मंदिर भारत में हैं और बाकी दुनिया के सौ से ज्यादा देशों में प्रतिष्ठित हैं। सबसे ज्यादा मंदिर देश के भीतर तमिलनाडु में हैं तो विदेश में अमेरिका नंबर एक पर है। निस्संदेह, अतीत में भी हम एक बड़ी सांस्कृतिक ताकत रहे हैं, जिसका असर भू-राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों में ही देखने को मिलता रहा है। भारत के पास हमेशा से दूसरों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं तथा इतिहास से प्रभावित करने की क्षमता रही है। साहित्य, संगीत, सिनेमा, योग, अध्यात्म और लाखों तरह के भोजन, व्यंजनों में भारत की महारत हमेशा से दुनिया को चकित करती रही है।

जिस ग्लोबलाइजेशन को 20वीं सदी का विचार माना जाता है, उस भूमंडलीकरण की सोच और धारणा भारत में वैदिक युग से रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा भारत ने आज नहीं, 4000 साल पहले दी थी। वैश्विक ग्राम या विश्व नागरिक को लेकर दुनिया आज भी उस ऊंचाई तक

नहीं सोच पाती, जिस ऊंचाई तक भारत में 4000 साल पहले सोच लिया गया था। आजादी के बाद भारत हमेशा से अपनी विदेशनीति में सांस्कृतिक ताकत को एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। दरअसल, भारत में करीब 90 साल तक चला अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आजादी का आंदोलन सही मायनों में एक विराट सांस्कृतिक आंदोलन ही था। वाल्मीकि रचित रामायण, कालीदास रचित महान नाट्य ग्रंथ और जनभाषा में रची गई रामचरितमानस, भारतीय साहित्य की वो थातियां हैं, जिनकी पूरी दुनिया मुरीद है। ऐसे में तब भारत की सांस्कृतिक ताकत सोने में सुहागा बन जाती है, जब पारंपरिक चिकित्सा, योग और भोजनकला में हमने असीमित विस्तार किये हों। भारत का राजनीतिक वर्ग हमेशा से इस बात को जानता रहा है कि हम एक बड़ी सांस्कृतिक ताकत हैं, इसलिए साल 1950 में ही तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने एक मजबूत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की स्थापना करवा दी थी। यही वजह है कि भारत विभाजन के बावजूद दुनिया में एक सांस्कृतिक महाशक्ति है, वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश करीब-करीब सांस्कृतिक शून्यता के दौर में हैं। जबकि दोनों ही देशों के पास दो बड़ी क्षेत्रीय संस्कृतियां थीं। भारत आज न सिर्फ अतीत की अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का उन्मुक्त होकर प्रदर्शन कर रहा है बल्कि पूरी दुनिया लगातार हिंदुस्तान की इस दावेदारी को मान्यता दे रही है। 21 जून, 2015 को दुनियाभर में जिस तरह आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और साल 2014 में जिस भारी बहुमत से संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस की संकल्पना को ध्वनिमत से समर्थन दिया गया, वह नये दौर के भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय का गगनघोष था।

करीब 600 बिलियन से भी ऊपर की योग की वैश्विक अर्थव्यवस्था में न सिर्फ भारतीयों को बहुत बड़ा लाभ हुआ है बल्कि भारत की सांस्कृतिक महत्ता और भारतीय सभ्यता के प्रति पूरी दुनिया में योग ने एक अलग तरह से सम्मान निर्मित किया है। निश्चित रूप से यह अकेले मौजूदा केंद्र सरकार की उपलब्धि नहीं है। इसमें आजादी के बाद की सभी सरकारों का बराबर का योगदान भी शामिल है। लेकिन जिस तरह से मौजूदा सरकार ने एक कल्चरल मिशन के बतौर भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रचार प्रसार पिछले 10 सालों में किया है, वह प्रशंसनीय है।

जलवायु परिवर्तन के संकेतक बने कीट-पतंगे

देविंदर शर्मा

जनवरी के अंतिम दिन हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड के ऊपरी इलाकों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। लगभग डेढ़ महीने देर से, बदलते मौसम के मिजाज के दौर में बर्फबारी रहित सर्दियां हिमालय में भविष्य के बारे में चिंताएं बढ़ाती हैं। जबकि हमने कश्मीर में सुनसान गुलमर्ग घाटी में खाली स्की रिसॉर्ट्स की तस्वीरें देखी हैं और पर्यटकों द्वारा होटल बुकिंग रद्द करने की रिपोर्टें पढ़ी हैं, कृषि उत्पादन और पानी की उपलब्धता पर असर, नदियों में पानी के प्रवाह में कमी और फलों की फसलों पर शुष्क सर्दियों के प्रभाव- इन सभी पर चर्चा हो चुकी है, लेकिन लद्दाख में एक स्थानीय ग्रामीण की टिप्पणी ने मेरा ध्यान खींचा। 'इस साल सर्दी वैसी लद्दाखी सर्दी जैसी नहीं लग रही है। यह बहुत गर्म है। इस बार हम चरम सर्दियों में घरेलू मक्खियों और तितलियों जैसे कई कीटों को जीवित देख सकते हैं। यह लद्दाख जैसी जगह के लिए बहुत ही असामान्य है', डाउन टू अर्थ पत्रिका के पिछले अंक में एक स्थानीय निवासी कुंचोक दोरजै को उद्धृत किया गया था।

उन्होंने जो कहा उसने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया। सबसे पहले, यह मुझे ग्लोबल वार्मिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में बोलने के लिए यूरोप की यात्राओं की याद दिलाता है जब मैं अपने मेजबानों से कहता था कि वह समय बहुत दूर नहीं है जब जलवायु गर्म होने के साथ-साथ, घरेलू कीड़े-मकोड़े जिनसे आप लोग घृणा करते हैं- और जिनमें मच्छर और तिलचट्टे भी शामिल हैं- समशीतोष्ण जलवायु में तेजी से दिखाई देंगे। तो मैं कहता था कि कीटों के हमले के लिए तैयार रहें। वे इसे हल्के-फुल्के अंदाज में खारिज कर देते, लेकिन हकीकत अब सामने आ रही है। सर्दियां आती हैं, और आम तौर पर हम मच्छर-मक्खियों को गायब होते देखते हैं। फिर गर्मी का मौसम शुरू होते ही ये कीट वापस आ जाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जैसे-जैसे मौसम गर्म होता है, कीट जलवायु परिवर्तन पर प्रतिक्रिया करते हैं, और उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र की जटिलताएं और गर्म होता तापमान इस बात की दिलचस्प अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि दुनिया जिस जलवायु आपातकाल का सामना कर रही है, उस पर कीट जगत कैसे प्रतिक्रिया दे रहा है। क्योंकि दुनिया पहले ही ग्लोबल वार्मिंग से वैश्विक उबलने के युग में पहुंच चुकी है, इसलिए कीट प्रजातियां कठोर जलवायु पर कैसे प्रतिक्रिया देंगी, यह बारीकी से देखा जाना चाहिए।

परंतु यदि मक्खियों ओर तितलियों जैसे कीट सर्दियों में आसपास दिखाई दिये हैं तो यह केवल असामान्य ही नहीं होगा बल्कि कीटों के इस बदलते व्यवहार को करीब से समझने की जरूरत है। गर्मी से बचने के लिए कीटों की और ज्यादा प्रजातियों के उत्तर की ओर रुख करने के साथ ही वह समय दूर नहीं जब कॉक्रोच और मच्छर भी उत्तर की ओर जाने लगें।

वैसे भी, जबकि इस वर्ष मौसम के असामान्य पैटर्न ने हमारे साथ-साथ नीति निर्माताओं का ध्यान पर्यावरणीय प्रभावों और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर होने वाले असर की ओर आकर्षित किया है, हम यह कल्पना करने में विफल रहते हैं कि तापमान में वैश्विक वृद्धि का कीट प्रजातियों के व्यवहार और वितरण पर क्या प्रभाव पड़ता है। हालांकि इस बारे में बहुत कुछ ज्ञात है कि कैसे बर्फ रहित सर्दी सेब के बागानों को सर्दियों के महीनों में जरूरी ठंडे तापमान से वंचित कर देती है, और मिसाल के तौर पर खुबानी सर्दियों में जल्दी क्यों फूलने लगती है। मानव आबादी के साथ इसके संपर्क के कारण पक्षियों और जानवरों पर भी इसके प्रभाव को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। उदाहरण के लिए, इटली में सस्सारी विश्वविद्यालय और फेरारा विश्वविद्यालय के अध्ययनों से पता चला है कि यूरोप में अल्पाइन बकरियां थकावट से बचने के लिए अब रात में बाहर जा रही हैं। यह दिन की गर्मी से बचने के लिए है लेकिन अन्य खतरों को भी आमंत्रित कर सकता है। उदाहरण के लिए, कई पक्षी प्रजातियां भी सिकुड़ने लगी हैं और कुछ अन्य मामलों में कुछ पक्षी प्रजातियों के पंखों का दायरा बढ़ रहा है ताकि शरीर को ठंडा रखने में मदद मिल सके। कीटों पर वापस आते हैं, कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि सामान्य आवास दुर्गम होने के चलते, तितलियों समेत कई कीट प्रजातियां अपने प्रवास पैटर्न को बदल रही हैं। पर्यावास के विनाश ने उनकी मुसीबतें बढ़ा दी हैं। साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि ब्रिटिश तितलियां बड़ी हो रही हैं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के एक अन्य अध्ययन में यह आशंका जताई गई है कि तापमान बढ़ने पर छोटी और हल्के रंग की उष्णकटिबंधीय तितलियां अंततः लुप्त हो सकती हैं।

रिसर्च में यह भी सामने आया कि आम तौर पर पहाड़ों में पायी जाने वाली तितली प्रजातियां ग्लोबल वॉर्मिंग के मुकाबले के लिए अपने निवास ओर ज्यादा ऊंचाई पर स्थानातरित करती हैं। बढ़ती जैव विविधता हानि के साथ, जो उनका प्राकृतिक आवास है, पहाड़ी तितलियां अपना मूल स्थान बदल रही हैं और ऊपर जा रही हैं। कुछ शोधकर्ताओं ने पाया है कि हिमालय में तितलियां लगभग 300 मीटर ऊपर चली गई हैं। इसलिए बढ़ते तापमान के कारण न केवल सेब के बागान अधिक ऊंचाई पर लगने लगे हैं बल्कि तितलियों सहित कीट प्रजातियां भी ऊपर की ओर बढ़ रही हैं। दूसरी ओर, जैसे कि क्षेत्र और ज्यादा गर्म और शुष्क हो रहा है अमेरिका के पश्चिम में सैकड़ों कीट प्रजातियां लुप्त हो रही हैं।

गोवा

भारत का गोवा विदेशी और देसी दोनों पर्यटकों की पहली पसंद है। अगर आपको समुद्र, बीच, नाईट लाइफ, पार्टी और मौज मस्ती करना पसंद है तो आप सर्दी के मौसम में गोवा जा सकते हैं। गोवा एक बेहतरीन टूरिस्ट डेस्टीनेशन है, जहां आप दोस्तों, परिवार या फिर सोलो ट्रिप पर भी जा सकते हैं। जनवरी की ठंड में भी आप गोवा में साधारण शर्ट या टी-शर्ट पहन कर घूम सकते हैं। अगर आप पानी की लहरों की सरसराहट को महसूस करना चाहते है तो गोवा आएं। लोग अक्सर अपनी छुट्टियां यहां बिताते है।

सर्दियों में यहां पर लें गर्मी का मजा

सर्दियों में अगर कहीं घूमने का प्रोग्राम बना रहे हैं तो आपको इन जगहों पर जाने का यह अच्छा मौका है। लोग घर से निकलना तो चाहते हैं, परिवार, बच्चों या दोस्तों के साथ कोई मजेदार ट्रिप भी प्लान करना चाहते होंगे लेकिन सर्दी तो हर जगह है, यह सोचकर इस ठिठुरन में घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। अगर आप भी यही सोच रहे हैं कि सर्दियों में कौन से पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं, जहां इतनी ठंड न पड़ रही हो तो आपके पास कई विकल्प हैं। भारत में कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं, जहां सर्दियों के मौसम में गर्मी का पूरा मजा मिलता है। आप यहां मजे से घूम सकते हैं, वह भी बिना जैकेट स्वेटर के। सर्दियों में घूमने के लिए भारत की इन गर्म जगहों पर जनवरी और फरवरी में घूमने के लिए बेस्ट हैं।

मुंबई

सर्दियों के मौसम में आप घूमने के लिए मुंबई भी जा सकते हैं। यहां समुद्र किनारे आप तेज लहरों को एंजॉय कर सकते हैं। घूमने के लिए मुंबई में कई टूरिस्ट डेस्टिनेशन हैं। प्रसिद्ध मंदिरों से लेकर खूबसूरत नजारों वाली जगहें और यहां का स्ट्रीट फूड यात्रियों को पसंद आता है। कम बजट और सामान्य तापमान में आप सर्दियों की छुट्टियां आराम से बिता सकते हैं। भारत अपनी संस्कृति धर्म और पर्यटन स्थलों के लिए प्राचीन काल से ही काफी लोकप्रिय रहा है।

जैसलमेर

सर्दियों में राजस्थान का जैसलमेर के सफर पर निकल सकते हैं। जैसलमेर में आपको ऐतिहासिक विरासत और संस्कृति दोनों का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। यहां कैंपिंग, नाइट आउट, ऊंट की सवारी और भी कई मजेदार एक्टिविटी का आप लुफ्त उठा सकते हैं। अच्छी बात ये हैं कि कड़ाके के ठंड के बाद भी यहां आपको बहुत कम ठंड लगेगी। जैसलमेर शहर चारो तरफ से बंजर रेत और शुष्क थार रेगिस्तान से घिरा हुआ है जो दूर से पीले रंग में चमकता है।

कुर्ग

कर्नाटक में स्थित कुर्ग का आधिकारिक नाम कोडगु है। इसे दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। सर्दियों के मौसम में कुर्ग में तापमान अधिक होता है। ठिठुरन वाली ठंड में आप यहां गर्माहट को महसूस कर सकते हैं। कुर्ग अपनी प्राकृतिक खूबसूरती से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

हंसना मना है

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से: तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके: अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए, लड़की वाले: कितना कमा लेते हो? लड़का: इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले: फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर: मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य: उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य: उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू : पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

लड़का: मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप: कितना कमा लेते हो। लड़का: 19000 हजार महीना। लड़की का बाप: 15000 मै अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी: हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा.. पति: अरे उसमे डॉक्टर को क्या बताना ! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

कहानी | घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

7 अंतर खोजें

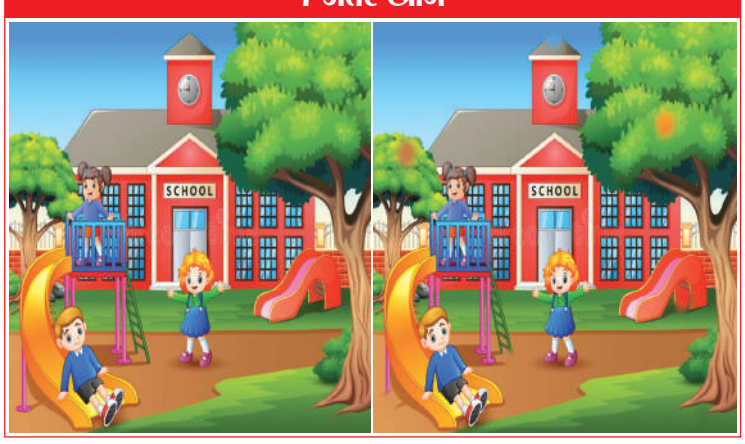

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद को बढ़ावा न दें।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हॉलीवुड या इंग्लिश इंडस्ट्री से कभी भी फिल्मों का ऑफर नहीं मिला : शाहरुख

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने भारतीय मूल की फिल्मों के आलावा विदेश की फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया है। हमारी फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसा भी सुपरस्टार हैं जिसने आज तक कोई हॉलीवुड की फिल्म नहीं की है। शाहरुख खान आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं, हाल ही में एक्टर ने खुलासा किया कि क्यों वो हॉलीवुड की फिल्मों में काम नहीं किया। 2023 में 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' जैसी तीन लगातार हिट फिल्में देने के बाद शाहरुख खान ने बॉलीवुड में अपनी तगड़ी वापसी दर्ज करवाई है। एक्टर की अपकमिंग फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इतंजार है, लेकिन कुछ लोगों का सवाल है कि वो हॉलीवुड फिल्में क्यों नहीं करते। दुबई के कार्यक्रम में होस्ट ने जब शाहरुख खान से यही सवाल किया तो उनके जवाब ने सभी को चौंका दिया। शाहरुख ने खुलासा किया कि उन्हें 'हॉलीवुड या इंग्लिश इंडस्ट्री से कभी भी फिल्मों का ऑफर नहीं मिला।' शाहरुख ने कहा, 'मैंने यह ईमानदारी से कहा है लेकिन कोई भी इस पर विश्वास नहीं करता है, इसलिए मैं इसे फिर से कहने जा रहा हूं।' शाहरुख खान ने कहा, मैं वेस्टर्न, इंग्लिश और अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से लोगों को जानता हूं, लेकिन किसी ने भी मुझे कोई अच्छा काम नहीं दिया। उन्होंने ये भी आगे ये भी कहा, हां, स्लमडॉग वहां था। मैंने मिस्टर बॉयल के साथ काफी समय बिताया है। वह बहुत प्यारे हैं, लेकिन मैं उस समय टेलीविजन पर हूं वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर (कौन बनेगा करोड़पति) कर रहा था। साथ ही जो कहानी बताई जा रही थी, उसमें जो व्यक्ति होस्ट था, वह बहुत मतलबी था। शाहरुख ने आगे बताया कि कौन बनेगा करोड़पति के निर्माताओं ने इस फिल्म के लिए उनके नाम की सिफारिश की। मगर वह इस भूमिका को करने में इच्छुक नहीं थे, क्योंकि फिल्म में होस्ट को एक बेईमान व्यक्ति के रूप में दिखाया गया था।

जल्द धमाल मचाने आ रही एकता कपूर की फिल्म लव सेक्स और धोखा-2

एकता आर कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स की अपकमिंग फिल्म लव, सेक्स और धोखा 2 सुर्खियों में है। वहीं दर्शकों के बीच फिल्म के प्रति जबरदस्त उत्साह के बीच अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट बताई है। फिल्म 19 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी। इसी के साथ उन्होंने एक बेहद दिलचस्प मोशन पोस्टर भी जारी किया है।

जी हां, मेकर्स ने फिल्म के नए मोशन पोस्टर में इसकी अनोखी दुनिया की झलक दी है। बोल्ड, रोमांचकारी और आकर्षक मोशन पोस्टर में धड़कते हुए सोशल मीडिया ऐप्स आइकन के साथ एक दिल दिखाया गया है, जो इस डिजिटल एज में प्यार और सेक्स पर आधारित फिल्म की थीम को उजागर करता है। मेकर्स ने इस मोशन पोस्टर को शेयर करते हुए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया और लिखा-ये वैलेंटाइन डे आसान नहीं, बस इतना समझ लीजिये, लव सेक्स और धोखे का दरिया है और डूब के जाना है। 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में।

लव, सेक्स और धोखा 2 रिश्तों की जटिलताओं की खोज करती है। फिल्म इंटरनेट के युग में मॉडर्न लव के छिपे पहलुओं को उजागर करती है। एक दिलचस्प प्लॉट और आकर्षक प्रदर्शन के माध्यम से, फिल्म प्यार, धोखा और टेक्नोलॉजी से चलने वाली इस दुनिया के परिणामों के विषयों में गहराई से उतरने का वादा करती है। लव सेक्स और धोखा 2 बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और कल्ट मूवीज द्वारा पेश की गई है। फिल्म एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित और दिबाकर बनर्जी द्वारा निर्देशित हैं।

पूनम पांडे पर दर्ज हुआ मानहानि का केस

एक्ट्रेस-मॉडल पूनम पांडे पिछले कुछ समय से खूब लाइमलाइट बटोर रही हैं। इस महीने के शुरुआती दिनों में पूनम ने सर्वाइकल कैंसर की वजह से मौत की फर्जी अफवाह फैलाकार काफी सुर्खियां बटोरी। लेकिन अगले ही दिन पूनम ने इस बात की जानकारी भी दी उन्होंने सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जारूकता बढ़ाने के लिए एक पब्लिकसिटी स्टंट किया। अब खबर आ रही है कि इस मामले को लेकर पूनम पांडे और उनके पति सैम बॉम्बे के खिलाफ 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। आइए इस मामले को थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

पूनम पांडे द्वारा अपनी मौत की

बॉलीवुड | मसाला

झूठी खबर फैलाने के कुछ दिनों बाद एक्ट्रेस और उनके एक्स हसबैंड सैम बॉम्बे के खिलाफ 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया गया है। टाइम्स औफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मामला फैजान अंसारी ने दायर किया है। ये कदम अंसारी ने कानपुर पुलिस कमिश्नर के समक्ष की है। उन्होंने पूनम पांडे पर अपनी मौत का नाटक करके कैंसर की गंभीरता का मजाक बनाने और लाखों लोगों की भावनाओं और विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कथित तौर पर अधिकारियों से पांडे और उनके पूर्व पति को गिरफ्तार करने की भी अपील की है।

बता दें कि पूनम पांडे ने अपनी मौत की फर्जी खबर की अनाउंसमेंट 2 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की थी और ये पोस्ट एक्ट्रेस-मॉडल की पीआर टीम ने शेयर किया था जिसके लिए उन्होंने बाद में माफी मांगी थी पोस्ट में लिखा गया था, यह सुबह हमारे लिए कठिन है। आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि हमने सर्वाइकल कैंसर के कारण अपनी प्यारी पूनम को खो दिया है। वे सभी से खुशी से मिलती थीं। दुख की इस घड़ी में, हम गोपनीयता का अनुरोध करेंगे, जबकि हम उसे हमारे द्वारा साझा की गई हर बात के लिए प्यार से याद करते हैं।

अजब-गजब | एक्सपर्ट ने बताया इस देश का राज, सबके काम की है चीज

दुनिया का वो देश, जहां कोई दुखी नजर नहीं आता

फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश कैसे बना? और क्यों यहां के लोग कभी निराश नजर नहीं आते, फिनिश मनोविज्ञान फैंक मार्टेला ने इसके बारे में बताया है। उन्होंने कहा-यह कहना अधिक सटीक होगा कि फिनलैंड वह देश है, जहां दुनिया में सबसे कम दुखी लोग रहते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्टेला ने कहा-इसके पीछे तीन अहम वजह है, जिसका यहां के लोग रोजमर्रा की जिंदगी में पालन करते हैं। किसी भी देश के लोग इन नियमों का पालन करने लगें तो उसे खुशहाल बनने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। साथ ही, एकजुटता की भावना पैदा होगी, जिसे बुरे हालात से लड़ने की ताकत मिलेगी। सबसे पहला नियम, समुदाय के लिए जीने की भावना। मार्टेला ने कहा, फिनलैंड के लोग आसपास के लोगों की परवाह करते हैं। उनके चेहरे पर खुशी नजर आए, ऐसा कोई काम करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्हें हंसाने का प्रयास करते हैं। उनकी मदद करते हैं। संकट की स्थितियों में अगर आप किसी की मदद करते हैं तो वो आपके लिए हमेशा ऋणी रहेगा। फिनलैंड पर हुई कई रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है कि अगर आप परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ समय बिताते हैं, तो आपका जीवन भी काफी सुखमय हो सकता है। क्योंकि आप अपनी परेशानियों को उनके साथ शेयर कर सकते हैं। उनकी खुशियां बांट सकते हैं। जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान आएगी। चिंता, डिप्रेशन

खत्म हो जाएगा। यहां के लोग उन चीजों की एक सूची बनाते हैं, जो उन्हें खुशी देती हैं। और ये लोग वही काम करने को प्राथमिकता देते हैं। वर्षों पुराना ये पैटर्न चला आ रहा है। इसमें अन्य लोगों के लिए अच्छे कार्य करना प्राथमिकता है। दूसरा, यहां के सरकारी संस्थान हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं। वे कभी दुखी नहीं रखते। हर पल आपकी समस्याओं के समाधान की कोशिश करते हैं।

मार्टेला ने तीसरी चीज के बारे में बताया, जो सबके लिए जरूरी है। आपका देश कैसे चल रहा है, इसका आपकी खुशी पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। देश में अगर अराजकता आ अशांति है तो आपके चेहरे पर निराशा के भाव आएंगे। चाहे अराजकता सामाजिक हो या फिर राजनीतिक, या आर्थिक। इसलिए देश में शांति बनी रहनी चाहिए। यह भी खुशी का पैमाना है। फिनलैंड में सरकारी हेल्थकेयर सिस्टम है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट काफी विश्वसनीय और सस्ता है। यहां ज्यादा कमाने वालों और कम कमाने वालों के बीच बहुत अंतर नहीं है। लोगों को फैसले लेने की आजादी है और सबसे कम भ्रष्टाचार है। यही यहां के लोगों के चेहरे पर खुशियां बिखेरती रहती है।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, जानकर कांप उठेगी रूह!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है। भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है। पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है। ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है। ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है। जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी। द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन। शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है। अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं। इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है। माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे। उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं। उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं। तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं। इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन। 1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं। वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया। प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे। पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं.(लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं। कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा। प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है। उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी। वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर। इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे।

नोटों पर वोट की शक्ति को मिलेगी मजबूती : मल्लिकार्जुन

» सुप्रीमकोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने किया स्वागत

» बोले- बीजेपी का खजाना भरने के लिए आई थी चुनावी बांड योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनावी बांड योजना को रद्द करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह नोटों पर वोट की शक्ति को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, लंबे समय से प्रतीक्षित फैसला बेहद स्वागत योग्य है और यह नोटों पर वोट की ताकत को मजबूत करेगा।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना की लॉन्चिंग के दिन कांग्रेस पार्टी ने इसे अपारदर्शी और अलोकतांत्रिक बताया था।

इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने अपने 2019 के घोषणापत्र में मोदी सरकार की संदिग्ध योजना को खत्म करने का वादा किया।

'बीजेपी ने रिश्वत और कमीशन का माध्यम बना दिया था'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ-साथ अन्य नेताओं ने गुरुवार (15 फरवरी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये योजना रिश्वत और कमीशन का माध्यम थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने चुनावी बॉन्ड स्कीम को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए कहा, नरेंद्र मोदी की भ्रष्ट नीतियों का एक और सबूत आपके सामने है। बीजेपी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को रिश्वत और कमीशन लेने का माध्यम बना दिया था। आज इस बात पर मुहर लग गई है।

95 प्रतिशत फंडिंग बीजेपी को मिली

खरगे ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इस योजना के तहत 95 प्रतिशत फंडिंग बीजेपी को मिली। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मोदी सरकार भविष्य में ऐसे शरारती विचारों का सहारा लेना बंद कर देगी और सुप्रीम कोर्ट की बात सुनेगी, ताकि लोकतंत्र, पारदर्शिता और समान अवसर कायम रहे। जयराम रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार की काफ़ी प्रचारित-प्रसारित चुनावी बॉन्ड योजना को संसद द्वारा पारित कानूनों के साथ-साथ भारत के संविधान का भी उल्लंघन माना है।

तानाशाही राज्य बन गया है उत्तराखंड : शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और नियमन को लेकर उत्तराखंड सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को अगर

तानाशाही वाले राज्य को देखना है, तो वह उत्तराखंड जाए। लेकिन अगर वह आजादी को अहमियत देता है, तो उसे वोट देकर भाजपा को (सत्ता से) बाहर करना चाहिए। थरूर की ओर से यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब कुछ दिन पहले उत्तराखंड विधानसभा ने यूसीसी विधेयक को पारित किया है। यह अन्य भाजपा शासित राज्यों के लिए इसी तरह का कानून बनाने के लिए एक उदाहरण के रूप में काम कर सकता है। इस विधेयक में लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीकरण को अनिवार्य किया गया है। इसके मुताबिक, लिव-इन-रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा। इसके अलावा, लिव-इन-रिलेशन टूटने पर भी सरकार को इसकी जानकारी देनी होगी।

रायबरेली आकर मुझे अपार खुशी मिली है : सोनिया गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने राज्यसभा चुनाव के लिए राजस्थान से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद रायबरेली की जनता के नाम संदेश देते हुए एक बड़ा एलान किया है। सोनिया गांधी ने अगला लोकसभा चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। इसके पीछे का कारण उन्होंने स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र बताया है। रायबरेली के लिए मेरे स्नेही परिवारीजन। मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है। वह रायबरेली आकर- आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। यह स्नेह नाता बहुत पुराना है और अपनी ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह महिला है।

रायबरेली के साथ हमारे परिवार के रिश्तों की जड़ें बहुत गहरी हैं। आजादी के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में आपने मेरे ससुर फीरोज गांधी जी को यहां से जीताकर दिल्ली भेजा। उनके बाद मेरी सास इंदिरा गांधी जी को आपने अपना बना लिया। तब से अब तक, यह सिलसिला जिंदगी के उतार-चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार और जोश के साथ आगे बढ़ता गया और इस पर हमारी आस्था मजबूत होती चली गई। अब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते मैं अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी। इस निर्णय के बाद मुझे आपकी सीधी सेवा का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन यह तय है कि मेरा मन-प्राण हमेशा आपके पास रहेगा। मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब संभालते आए हैं।

रायबरेली से दिल्ली पहुंचे समर्थक

सोनिया गांधी ने राज्यसभा से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इसी के साथ यह साफ हो गया है कि वह रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से चुनाव में नहीं लड़ेंगी। सास की राजनीतिक विरासत को सोनिया गांधी ने बखूबी संभाला। रायबरेली की लाडली बहू का क्षेत्र से रिश्ता धीरे-धीरे प्रगाढ़ होता गया। दिल्ली में रहकर भी उन्होंने खुद को यहां से जोड़े रखा। जड़ों से जुड़ी रहीं। हर सुख-दुख में साथ खड़ी रहीं। अब वह राजस्थान से राज्यसभा जा रही हैं तो समर्थक दुखी हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो सोनिया को मनाने दिल्ली तक पहुंच गए।

गांधी परिवार का अब यूपी से औपचारिक संबंध नहीं : पूनावाला

सोनिया के राजस्थान से राज्यसभा के लिए नामांकन करने पर भाजपा ने कटाक्ष किया कि कांग्रेस को रायबरेली से उनकी हार का डर सता रहा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, अब गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश के साथ औपचारिक रूप से कोई संबंध नहीं रहेगा। पहले वे अमेठी हार गए और अब उन्हें पता चला कि शायद रायबरेली में भी सीट हार जाएं।

केंद्र में चल रही रावण की सरकार : ममता बनर्जी

» किसान आंदोलन को लेकर टीएमसी नेता भड़कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बीते बुधवार को शंभू बॉर्डर पर दिल्ली कूच के दौरान पुलिस और किसानों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसको लेकर तमाम राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सत्तारूढ़ दल भाजपा को आड़े हाथ लिया। भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी केंद्र में रावण की सरकार चल रही है, जिन्होंने अपनी सीमाएं ही लांघ दी हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि हम पहले से किसानों के साथ है। किसान अब सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। देश जल रहा है, लेकिन भाजपा को इसकी कोई चिंता ही नहीं है। भारतीय जनता पार्टी केंद्र

में रावण की सरकार चला रही है।

रावण की तरह सत्तारूढ़ दल भाजपा की सरकार ने भी लक्ष्मण रेखाएं पर कर दी हैं। जिस दिन किसान दिल्ली पहुंचेंगे, उस दिन भाजपा नेताओं को वास्तविकता समझ में आ जाएगी।

चाहे जितनी मस्जिदें तोड़ लें, खुदा का रास्ता बंद नहीं होगा : फारूक अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद मथुरा-काशी को लेकर उठ रही मांगों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आप जितने मंदिर चाहें बना लें, आप जितनी मस्जिदें तोड़ना चाहते हैं, तोड़ दें, लेकिन **खुदा का रास्ता बंद नहीं होगा। फारूक अब्दुल्ला ने इस दौरान कहा कि संविधान बदल सकता है, लेकिन कुरान नहीं बदल सकती।**

फारूक अब्दुल्ला ने इस दौरान उनसे जब पीएम मोदी के 400 सीटों के आंकड़े को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अगर मेरे पास तिलिस्मी चिराग होता तो मैं कह देता कि साहब ये नंबर आएंगे, लेकिन मेरे पास नहीं हैं, इनके पास सब एजेंसी हैं, लेकिन फाइनल फिगर लोगों के पास है, जब चुनाव हो जाएंगे तब पता चल जाएगा कि किसे कितनी सीटें मिलीं।

धारा 370 हटने से कश्मीर में कुछ नहीं बदला

कश्मीर से धारा 370 हटने से क्या कुछ हवा बदली है, इस सवाल के जवाब में जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम ने कहा, अब मैं इस बारे में क्या कहूं। अगर बदला होता, तो यहां चुनाव क्यों नहीं हुए। क्या वजह है कि जब इन्होंने चुनाव के ऐलान किए, लेकिन नहीं हुए। मुझे ये समझ नहीं आता क्यों ये 370 का राग अलाप रहे हैं, इन्होंने इसका मुद्दा बना दिया, कांग्रेस ने इसे (आर्टिकल 370) पहले ही बहुत छोटा कर दिया था, इसमें कुछ बचा ही नहीं था। कश्मीर में शांति के बीजेपी के दावे पर अब्दुल्ला ने कहा कि क्या आतंकवाद खत्म हुआ? इतने फौजियों पर हमला हुआ। हमारे सेना के अफसर शहीद हुए। आतंकी हमलों में हमारे पुलिस के जवान और अफसर शहीद हो रहे हैं। कहां हैं वो? ये लोग बात करते रहते हैं। ये सियासी मुद्दा है. इनको लगता है कि इससे लोग वोट देंगे। लेकिन कहने दीजिए, मैं इस दावे पर क्या कर सकता हूं।

सरकार को जो करना है करने दीजिए

भारत में कई धर्म हैं,आदिवासियों का अपना अलग तरीका है। भारत एक ही फूल नहीं है। इसे ऐसे ही रहने दीजिए। सरकार को जो करना है, करने दीजिए, ये पहले किसान आंदोलन लाए थे, हमने इसका विरोध किया। फिर यूपी के चुनाव आए तो इन्होंने इन कानूनों को वापस ले लिया। अब्दुल्ला ने कहा, जब यूसीसी आएगा, तब पता चलेगा कि लोग किस तरह रिएक्ट करते हैं।

रोहित-जडेजा की शतकीय पारी, भारत का पलड़ा भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने शतक जड़कर न सिर्फ टीम को शुरुआती झटकों से उबारा बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच का पहला दिन भी भारत के नाम किया। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 326 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे दिन लंच के बाद खबर लिखे जाने तक भारत ने 7 विकेट खोकर 401 रन बना लिए थे।

वहीं इससे पहले रोहित और जडेजा ने चौथे विकेट के लिए 204 रन की साझेदारी की। यह भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ चौथे विकेट के लिए तीसरी बड़ी साझेदारी है। इन दोनों के अलावा अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सरफराज खान ने 66 गेंद पर 62 रन की

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे विकेट के लिए तीसरी बड़ी साझेदारी

मनोरंजक पारी खेली। स्टंप उखड़ने के समय जडेजा के साथ नाइट वॉचमैन कुलदीप यादव एक रन पर खेल रहे थे।

इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज मार्क वुड सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अब तक 69 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। रोहित और जडेजा ने सहजता से रन बटोरे। उन्हें निरंजन शाह स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इन दोनों बल्लेबाजों ने एकाग्रता और आक्रामकता का अच्छा नमूना पेश किया तथा ढीली गेंदों को सबक सिखाने में कोताही नहीं बरती। वुड को हालांकि सुबह के सत्र में थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था लेकिन बाद में इस तेज गेंदबाज ने शॉर्ट पिच गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ली। रोहित ने लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद पर दो रन लेकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया जो सलामी बल्लेबाज के रूप में इंग्लैंड के खिलाफ उनका तीसरा शतक है।

मार्क वुड सबसे सफल गेंदबाज

रोहित और जडेजा ने तब मोर्चा संभाला जब भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 33 रन पर अपने तीन युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (10), शुभमन गिल (00) और रजत पाटीदार (05) के विकेट गंवा दिए थे। रोहित ने इसके बाद विशेषकर रेहान को निशाने पर रखा लेकिन वुड ने शॉर्ट पिच गेंद करना जारी रखा। रोहित का धैर्य आखिर में जवाब दे गया और इस तेज गेंदबाज की एक और शॉर्ट पिच गेंद को सबक सिखाने के प्रयास में मिड विकेट पर बेन स्टोक्स को कैच दे बैठे। उन्होंने अपनी पारी में 196 गेंद का सामना करके 14 चौके और तीन छक्के लगाए। अपने घरेलू और पसंदीदा मैदान पर खेल रहे जडेजा ने शतक के करीब पहुंचने के बाद धीमी बल्लेबाजी की। उन्होंने 198 गेंद का सामना करके अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक पूरा किया।

शिक्षक भर्ती घोटाला : पार्थ चटर्जी के करीबियों के आवास पर छापेमारी

» भाजपा नेता शुभेंदु बोले- राज्य में घोटालेबाजी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री और जेल में बंद तृणमूल कांग्रेस नेता पार्थ चटर्जी के करीबी सहयोगियों के आवास पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी राज्य में शिक्षक भर्ती घोटाला के तहत की जा रही है। साल 2022 में ईडी ने पार्थ चटर्जी को स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

पार्थ की गिरफ्तारी उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के आवास से 21 करोड़ नकद और करीबन एक करोड़ से अधिक के आभूषण बरामद होने के बाद हुई थी। सूत्र ने कहा, ईडी राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री के करीबी के आवास पर छापेमारी कर रही है। शिक्षक भर्ती घोटाला के तहत यह छापेमारी जारी है। राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकारी नौकरियों की बिक्री का नेक्सस बहुत सक्रिय है। उन्होंने अपने

सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप भी शेयर की। इस क्लिव में कालीपद पति, टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी और मनिक भट्टाचार्य और एक एजेंट की बातचीत है। क्लिप में सुना गया कि एजेंट बता रहा है कि उसने सरकारी स्कूल में शिक्षक पद के लिए 14 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन उसकी नियुक्ति के लिए कोई कॉल नहीं आया। शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि राज्य में शिक्षक भर्ती घोटाला अभी भी सक्रिय है। उन्होंने अपने पोस्ट में सीबीआई और ईडी के टैग करते हुए इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि केंद्रीय बलों के साथ ईडी ने एक व्यापारी के दफ्तर और उनके तीन फ्लैट पर छापमारी की। ईडी के अधिकारी ने बताया कि घोटाले में बिल्डल ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसा लगता है कि उस व्यक्ति ने घोटाले से प्राप्त धन को विभिन्न परियोजनाओं में निवेश करने में पार्थ चटर्जी की मदद की है

संदेशखली मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखली यौन उत्पीड़न का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले की जांच अब मामले की जांच एसआईटी या सीबीआई से करवाने मांग की गई है। याचिका में मामले की निष्पक्ष जांच के लिए पूरी जांच पश्चिम बंगाल से बाहर करवाने की मांग की गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता वकील अलख आलोक से कहा है कि वह मामले को ईमेल कर दें, अदालत दोपहर में देखेगी कि क्या करना है। बता दें कि मणिपुर की तर्ज पर 3 जजों की कमेटी बनाकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग सुप्रीम कोर्ट से की गई है। इसे लेकर वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश देने के साथ- साथ दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग भी की गई है।

मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

अदालत में दाखिल जनहित याचिका में कहा गया है कि संदेशखली इलाके में टीएमसी नेता शेख शाहजहां का आतंक है. बता दें कि 5 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों की एक टीम पीडीएस योजना में कथित अनियमितताओं के संबंध में संदेशखाली में शेख के घर पर छापा मारने गई थी। आरोप है कि तब शेख शाहजहां के कथित गुंडों ने ईडी अधिकारियों पर हमला कर दिया था। इस हमले मे तीन ईडी अधिकारी बुरी तरह घायल हो गए थे। याचिका में कहा गया है कि इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच और सुनवाई पश्चिम बंगाल में नहीं हो सकती इसलिए, न्याय के हित में इसे पश्चिम बंगाल के बाहर ट्रांसफर किया जाना चाहिए।

भाजपा का प्रतिनिधिमंडल संदेशखली रवाना

भाजपा का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल प. बंगाल के संदेशखली के लिए रवाना हो गया है। इस प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, प्रतिमा भौमिक, सुनिता दुग्गल, कविता पाटीदार, संगीता यादव और बृजलाल इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। साथ ही अग्निमित्रा पॉल भी भी भाजपा के प्रतिनिधिमंडल के साथ संदेशखाली का दौरा करेंगी। रवाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गठित किया गया प्रतिनिधिमंडल संदेशखली जा रहा है।

कांग्रेस के खाते फ्रीज करने पर मचा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के प्रवक्ता अजय माकन ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी खाते फ्रीज कर दिए गए हैं जिसका मतलब है कि लोकतंत्र के सारे दरवाजे बंद कर दिए गए हैं।

एक-दो हफ्ते में चुनाव की घोषणा होनी है। ऐसे में ऐसा करना तानाशाही है। शुक्रवार (16 फरवरी) को कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बताया कि आयकर विभाग ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय युवा कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई वर्ष 2018-19 के लिए आईटी रिटर्न दाखिल करने में 45 दिन की देरी के कारण हुई है। माकन ने कहा कि पार्टी ने उनके खाते को डीफ्रीज करने के लिए आयकर अपीलीय प्राधिकरण (आईटीएटी) से संपर्क किया है। आयकर विभाग ने पार्टी से 210 करोड़ रुपये की मांग की है। माकन ने कहा, उन्हें 2018-19 के लिए अपना आईटी रिटर्न 31 दिसंबर, 2019 तक दाखिल करना था, लेकिन पार्टी 40-45 दिनों की देरी से रिटर्न फाइल किया था।

फोटो : 4पीएम

पोस्टरवार लखनऊ में भाजपा ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ एक पोस्टर लगाया है, जिसमें उनसे आजमगढ़ में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ अपने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए माफी मांगने का आग्रह किया गया है। शहर के हृदय स्थल हजरतगंज चौराहे पर लगाए गए इस पोस्टर को बीजेपी नेता और एमएलसी सुभाष यदुवंशी ने लगवाया है।

दिल्ली अग्निकांड में 11 से ज्यादा की मौत

» पुलिस ने दर्ज किया मामला अभी भी फंसे हैं लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अलीपुर में एक पेंट फैक्टरी में आग लगने से 11 लोगों की मौत के बाद दमकल कर्मियों का तलाशी अभियान जारी है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के मुताबिक, फैक्टरी में दो और लोगों के फंसे होने की संभावना है। अग्निकांड मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और गैर इरादतन हत्या की प्रयास की धारा 304 और 308 के तहत मामला दर्ज किया है। इस दर्दनाक हादसे में पुलिसकर्मी करमबीर सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

करमबीर साहस दिखाकर आग में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश में बुरी तरह से झुलस गए। उन्हें लोकनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा बृहस्पतिवार

शाम 5:25 बजे हुआ, जिस पर दमकल की 22 गाड़ियों की मदद से करीब तीन घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। आग की चपेट में पांच दुकानें व गाड़ियां भी आ गईं। आग का कारण पता नहीं चला है। फरार फैक्टरी मालिक अखिल की तलाश की जा रही है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि दो पेंट और केमिकल गोदामों में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं चार घायल हैं।

मृतकों के परिजनों को 10 लाख व घायलों को दो लाख देगी आप सरकार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अलीपुर में उस स्थान का जायजा लिया जहां कल आग लग गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। अरविंद केजरीवाल ने अलीपुर फैक्टरी में आग की घटना में मारे गये लोगों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि 11 लोगों की मौत हो गई है और 4 घायल हो गए हैं। पीड़ितों के परिवारों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं उन्हें 2 लाख रुपये और मामूली चोटों वाले लोगों को 20,000 रुपये दिए जाएंगे। आग में जली आसपास की दुकानों और घरों के भी नुकसान का आकलन कर मुआवजा दिया जाएगा।

केजरीवाल और संजय सिंह को गुजरात हाईकोर्ट का झटका

» समन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात के अहमदाबाद में एक सत्र न्यायालय द्वारा दोनों के पुनरीक्षण आवेदन को खारिज करने के 4 दिन बाद दोनों ने पिछले साल सितंबर में उच्च न्यायालय का रुख किया था। अपील में इस मुद्दे को भी उठाया गया है कि शिकायत का बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर भयानक प्रभाव पड़ रहा है।

गुजरात उच्च न्यायालय ने आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिक्षा की डिग्री के संबंध में गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा दायर मानहानि मामले में एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उनके खिलाफ जारी समन की पुष्टि करने वाले सत्र न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति हसमुख डी सुथार की पीठ ने 2 फरवरी को दोनों पक्षों को सुनने के बाद याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। गुजरात के अहमदाबाद में एक सत्र न्यायालय द्वारा दोनों के पुनरीक्षण आवेदन को खारिज करने के 4 दिन बाद दोनों ने पिछले साल सितंबर में उच्च न्यायालय का रुख किया था।

अपील में इस मुद्दे को भी उठाया गया है कि शिकायत का बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर भयानक प्रभाव पड़ रहा है।

मौसम की आंख मिचौली जारी, दो दिन वर्षा के आसार

» तापमान का बढ़ना रहेगा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आधी फरवरी बीतने के साथ ही प्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया है। कभी ठंडा, कभी गरम और बूंदाबांदी का मिलाजुला रूप देखने को मिल रहा है। फरवरी बीतने के साथ ही पारे का चढ़ना जारी है।

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में दिन का तापमान चढ़ेगा, लेकिन रात के पारे में अभी गिरावट आ सकती है। वहीं 18 फरवरी की शाम से मौसमी बदलाव के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, बृहस्पतिवार को रात का तापमान ज्यादातर इलाकों में सामान्य से अधिक दर्ज हुआ। नजीबाबाद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और मेरठ में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। जबकि लखनऊ, अलीगढ़, कानपुर नगर, बहराइच में अधिकतम तापमान 27 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। बृहस्पतिवार को सुबह 8.30 बजे तक आजमगढ़, गोरखपुर, कानपुर के आसपास के इलाकों, कुशीनगर, लखनऊ एयरपोर्ट पर छिटपुट बूंदाबांदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक 16 से लेकर 18 तक मौसम शुष्क रहेगा, 18 फरवरी की रात से कुछ बदलाव संभव हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।